

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY,
CHHATRAPATI SAMBAJINAGAR.**



Circular / Acad Sec./ UG /CBCS/ III Yr Curri./Affi. Col./ 2024.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean of Faculty of Humanities; the Academic Council at it's Meeting held on 08th April, 2024 has accepted the "following Subject wise revised Curriculum at UG Level as per Choice Based Credit & Grading System" for all concerned affiliated colleges under the Faculty of Humanities.

Sr. No.	UG/PG Course Curriculum Name	Semester
01.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Marathi] for Colleges	Vth & Vith
02.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Hindi] for Colleges	Vth & Vith
03.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [English] for Colleges	Vth & Vith
04.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Urdu] for Colleges	Vth & Vith
05.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Pali & Buddhism] for Colleges	Vth & Vith
06.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Arabic] for Colleges	Vth & Vith
07.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Sanskrit] for Colleges	Vth & Vith
08.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Political Science] for Colleges	Vth & Vith
09.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Public Administration] for Colleges	Vth & Vith
10.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Economics] for Colleges	Vth & Vith
11.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [History] for Colleges	Vth & Vith
12.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Sociology] for Colleges	Vth & Vith
13.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Geography] for Colleges	Vth & Vith
14.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Psychology] for Colleges	Vth & Vith
15.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Thoughts of Mahatma Phule & Dr. B. R. Ambedkar] for Colleges	Vth & Vith
16.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Islamic Studies] for Colleges	Vth & Vith
17.	B. A. <u>Third Year</u> as per CBCS [Military Science] for Colleges	Vth & Vith

:: 02 ::

18.	B. A. <u>Third</u> Year as per CBCS [Philosophy] for Colleges	Vth & VIth
19.	B. A. <u>Third</u> Year as per CBCS [National Cadet Corps (NCC)] for Colleges	Vth & VIth

This is effective from the Academic Year 2024-25 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Chhatrapati Sambhajanagar-431 004.
Ref. No. SU/UG-III Yr/ Affi.Coll./
CBCS Curri/ 2024/25897-906

}}
}}
}}
}}
}}

**Deputy Registrar,
Academic.**

Date: 24.05.2024.

Copy forwarded with compliments to:-

- 1] **The Principal, all concerned affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajanagar.
- 2] **The Director, University Network & Information Centre, UNIC,**
with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

- 1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
- 2] **The Sec. Officer, [Concerned Unit] Exam. Branch,**
- 3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
- 4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
- 5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
- 6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
- 7] The Public Relation Officer,
- 8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajanagar.

--**--

DrK*240524/-

**Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
Chhatrapati SambhajiNagar**



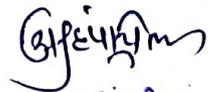
Hindi Syllabus

**CBCS Pattern
B. A. Third Year
Semester : V & VI
Effective from June 2024**

प्रो. अपूर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अकादमी मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,

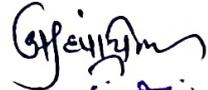
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
Chhatrapati Sambhajnagar
 CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
 B. A. (Bachelor of Arts)
 B. A. Third Year (V Sem.)

Paper No.	Subject/ Programme	Course Code	Title of the Course	Course Type	Lectures		Marks			Credits		
					Lect ures per week	Total Lectures	Theory	Tutorial s/ Practical /Project	Total	Teaching	Tutorials/ Practical/Pr oject	Total
Paper IX	DSC-1	DSE- A1	A) साहित्यशास्त्र -1 OR B) प्रादेशिक नाटक साहित्य	Discipline Specific	4	60	40	10	50	2.5	0.5	3
Paper X	SEC-1C	SEC-1C	हिंदी भाषा और लिपि	Skill Enhanceme nt Course	4	60	40	10	50	2.5	0.5	3
Paper XI	Generic Elective	GE -1	प्रादेशिक आत्मकथा साहित्य	Generic Elective	4	60	40	10	50	2.5	0.5	3
TOTAL					12	180	120	30	150	7.5	1.5	09


 प्रो. अनुराग पाटील
 अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
 डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
 च. स. नगर, अहमदनगर

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
Chhatrapati Sambhajnagar
 CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
 B. A. (Bachelor of Arts)
 B. A. Third Year (VI Sem.)

Paper No.	Subject/ Programme	Course Code	Title of the Course	Course Type	Lectures		Marks			Credits		
					Lectur es / per week	Total Lectu res	Theory	Tutorial s/ Practical /Project	Total	Teaching	Tutorials/ Practical/Pr oject	Total
paper XII	DSC-2	DSE- B1	A] साहित्यशास्त्र -2 OR B] हिंदी पद्य विविधा	Discipline Specific	4	60	40	10	50	2.5	0.5	3
paper III	SEC-1D	SEC-1D	प्रयोजनमूलक हिंदी	Skill Enhancement Course	4	60	40	10	50	2.5	0.5	3
paper IV	Generic Elective	GE -2	हिन्दी व्यंग्य साहित्य	Generic Elective	4	60	40	10	50	2.5	0.5	3
TOTAL					12	180	120	30	150	7.5	1.5	09


 प्रो. अपूर्णा पाटील
 अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडळ,
 डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
 च. स. नगर, २०२३

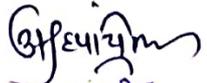
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर.

बी. ए. तृतीय वर्ष (पंचम एवं षष्ठम सत्र)

हिंदी पाठ्यक्रम

जून 2024 से क्रियान्वित

अ.क्र.	सत्र	प्रश्नपत्र क्र.	Subject/ Programme	Course Code	प्रश्नपत्र
1	पंचम	IX	DSC - 1	DSE - A1	A) साहित्यशास्त्र - 1 OR B) प्रादेशिक नाटक साहित्य
2	पंचम	X	SEC - 1C	SEC-1C	हिंदी भाषा और लिपि
3	पंचम	XI	Generic Elective	GE -1	प्रादेशिक आत्मकथा साहित्य
4	षष्ठम	XII	DSC-2	DSE - B1	A) साहित्यशास्त्र - 2 OR B) हिंदी पद्य विविधा
5	षष्ठम	XIII	SEC-1D	SEC-1D	प्रयोजनमूलक हिंदी
6	षष्ठम	XIV	Generic Elective	GE - 2	हिन्दी व्यंग्य साहित्य


प्रो. अनुराग पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,

बी. ए. तृतीय वर्ष
पंचम सत्र (semester-V)
प्रश्नपत्र क्र. – 9 A
DSC – 1

साहित्यशास्त्र – 1

लिखित परीक्षा – 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन – 10 अंक
कुल अंक – 50

उद्देश्य –

1. भारतीय साहित्य चिंतन का अध्ययन करना ।
2. साहित्यालोचन की क्षमता को विकसित करना ।
3. साहित्य सृजन प्रक्रिया का सैद्धांतिक ज्ञान कराना ।

अध्ययन – अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा – परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

1. साहित्य : स्वरूप विवेचन
 - साहित्य की परिभाषा
 - साहित्य हेतु
 - साहित्य के प्रयोजन
 - साहित्य के तत्व
2. शब्दशक्ति का सामान्य परिचय
 - अभिधा शब्दशक्ति
 - लक्षणा शब्दशक्ति
 - व्यंजना शब्दशक्ति
3. रस विचार
 - रस का स्वरूप
 - रस के अंग
 - रस के भेद
4. अलंकार परिभाषा प्रकार और भेद
 - शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति,
 - अर्थालंकार : उपमा, रूपक, दृष्टांत, अतिशयोक्ति

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र विविध आयाम – सं. डॉ. मधु खराटे – विधा प्रकाशन, कानपुर
2. भारतीय काव्यशास्त्र – प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्वंभर उपाध्याय – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. तारकनाथ बाली – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा – हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
6. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा – संपादक नगेंद्र – नेशनल पब्लिशिंग, हाउस दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. अशोक शहा – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
8. रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र – नेशनल पब्लिशिंग, हाउस दिल्ली

अथवा

बी. ए. तृतीय वर्ष

पंचम सत्र (semester-V)

प्रश्नपत्र क्र. - 9 B

DSC - 1

प्रादेशिक नाटक साहित्य

लिखित परीक्षा - 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन -10 अंक
कुल अंक -50

उद्देश्य -

1. नाट्य विधा से छात्रों को परिचित कराना।
2. नाटक पठन पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
3. प्रादेशिक नाटककारों की जानकारी प्राप्त कराना।
4. प्रादेशिक भाषा साहित्य में की नाट्य साहित्य के महत्व को रेखांकित करना।

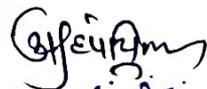
अध्ययन - अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रोनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तकें

1. खामोश अदालत जारी है - विजय तेंदुलकर - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. घासीराम कोतवाल - विजय तेंदुलकर - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली


प्रो. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबसाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
1999

बी. ए. तृतीय वर्ष
पंचम सत्र (semester-V)
प्रश्नपत्र क्र. - 10
SEC - 1C
हिंदी भाषा और लिपि

लिखित परीक्षा - 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन - 10 अंक
कुल अंक - 50

उद्देश्य -

1. हिंदी के प्रयोजनपरक रूपों का अध्ययन करना।
2. भाषा की प्रयोजनपरक प्रयुक्तियों की क्षमताओं को विकसित करना।
3. भाषा के रोजगारपरक आयामों का ज्ञान कराना।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

इकाई - 1. भारतीय आर्य भाषाएँ

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ
- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ
- आधुनिक आर्य भाषाएँ - हिंदीतर वर्ग : सामान्य परिचय
(सिन्धी, पंजाबी, लहंदा, गुजराती, मराठी, बंगला, उड़िया, असमी, नेपाली, सिंहली)

इकाई - 2. हिंदी भाषा : स्वरूप और विशेषताएँ

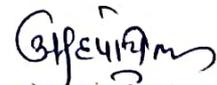
- हिंदी नामकरण
- हिंदी के विविध रूप
- हिंदी भाषा का क्रमिक विकास
- हिंदी भाषा का अंतरराष्ट्रीय परिदृश

इकाई - 3. भारतीय संविधान और हिंदी

- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा
- संविधान में भारतीय भाषाओं की स्थिति
- राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान

इकाई - 4. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास

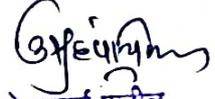
- भाषा और लिपि
- लिपि : तात्पर्य और विकास
- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- मानक हिंदी की स्वीकृत वर्णमाला एवं अंकलेखन



प्रो. अपूर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबुराव हेबळे आंबेडकर मराठावाडा विश्वविद्यालय,
100005

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा तथा साहित्यशास्त्र - डॉ. माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: संरचना और प्रयोग - डॉ. माधव सोनटक्के
3. भारतीय भाषा परिचय - केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
4. नागरी लिपि - डॉ. ब्रजमोहन - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. राजभाषा हिन्दी - डॉ. भोलानाथ तिवारी - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय और व्याकरणिक स्वरूप - डॉ. सतीश शर्मा - तक्षाशीला प्रकाशन, नई दिल्ली



प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबसाहेब अंबेडकर मराठभाषा विश्वविद्यालय,
२०२३

बी. ए. तृतीय वर्ष
पंचम सत्र (semester-V)
प्रश्नपत्र क्र. - 11
GE - 1

प्रादेशिक आत्मकथा साहित्य

लिखित परीक्षा - 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन -10 अंक
कुल अंक -50

उद्देश्य -

2. आत्मकथा विधा से छात्रों को परिचित कराना।
3. आत्मकथा पठन पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
4. प्रादेशिक भाषा के रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कराना।
5. हिंदी आत्मकथा साहित्य के विकास में प्रादेशिक भाषा साहित्य की आत्मकथा के योगदान को अधोरेखित करना।

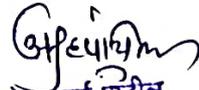
अध्ययन - अध्यापन पद्धति

2. व्याख्यान पद्धति
3. चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति
4. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
5. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तकें

1. उचक्का : लक्ष्मण गायकवाड़ - अनुवादक : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. छोरा कोल्हाटी का : किशोर शांताबाई काळे - अनुवादक : अर्चना देवस्थळे राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।


प्रो. अरुणा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,

बी. ए. तृतीय वर्ष
षष्ठम् सत्र (semester-VI)
प्रश्नपत्र क्र. - 12 A
DSC - 2
साहित्यशास्त्र - 2

लिखित परीक्षा - 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन -10 अंक
कुल अंक -50

उद्देश्य -

1. भारतीय साहित्य चिंतन का अध्ययन करना।
2. साहित्यालोचन की क्षमता को विकसित करना।
3. साहित्य सृजन प्रक्रिया का सैद्धांतिक ज्ञान कराना।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

1. काव्यभेद
 - खंडकाव्य
 - महाकाव्य
2. विधा विवेचन : सामान्य परिचय
 - कहानी
 - उपन्यास
 - नाटक
 - एकांकी
 - आत्मकथा
 - संस्मरण
 - रेखाचित्र
3. आलोचना स्वरूप विवेचन
 - आलोचना के प्रकार : सामान्य परिचय
 - आलोचक के गुण
4. छंद विचार
 - छंद की परिभाषा और भेद
 - मात्रिक छंद - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा
 - वर्णिक छंद - इंद्रवज्रा, वसंततिलिका, मंदाक्रांता

संदर्भ ग्रंथ :

1. साहित्यशास्त्र - डॉ. माधव सोनटक्के
2. रस अलंकार छंद - राजेंद्र कुमार पाण्डेय - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. रस अलंकार छंद तथा काव्यांग - डॉ. व्यंकट शर्मा - राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. हिन्दी व्याकरण - उमेशचन्द्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्यशास्त्र - डॉ. चंद्रभानु सोनवने - आलोक प्रकाशन, औरंगाबाद

अथवा

बी. ए. तृतीय वर्ष
षष्ठम् सत्र (semester-VI)
प्रश्नपत्र क्र. – 12 B
DSC – 2
हिंदी पद्य विविधा

लिखित परीक्षा – 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन – 10 अंक
कुल अंक – 50

उद्देश्य –

1. पद्य के विविध रूपों से छात्रों को परिचित कराना।
2. पद्य के विविध रूपों के पठन पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
3. पद्य रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कराना।
4. हिंदी साहित्य के विकास में पद्य रचनाकारों के योगदान को अधोरेखित कराना।

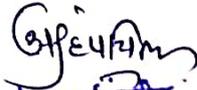
अध्ययन – अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा – परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तकें

1. गोपा गौतम – जगदीश गुप्त : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कनुप्रिया – धर्मवीर भारती : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।


प्रो. अणुपूर्णा पारील
अध्यक्षा, हिंदी अध्यापन मंडल,
डॉ. बाबूसाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
२०२०

बी. ए. तृतीय वर्ष
षष्ठम् सत्र (semester-VI)
प्रश्नपत्र क्र. - 13
SEC- 1D
प्रयोजनमूलक हिंदी

लिखित परीक्षा - 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन -10 अंक
कुल अंक - 50

उद्देश्य -

1. हिंदी के प्रयोजनपरक रूपों का अध्ययन करना।
2. भाषा की प्रयोजनपरक प्रयुक्तियों की क्षमताओं को विकसित करना।
3. भाषा के रोजगारपरक आयामों का ज्ञान कराना।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

इकाई 1. प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र

- सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी संबंध और अंतर प्रयोजनमूलक हिंदी परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियाँ (कार्यालय, वित्त तथा वाणिज्य - व्यापार, शिक्षा विधि, विज्ञान एवं तकनीकी, जनसंचार, विज्ञापन आदि)

इकाई 2. हिंदी भाषा का मानकीकरण

- मानक भाषा संकल्पना एवं स्वरूप
- भाषा मानकीकरण की प्रक्रिया एवं पद्धति
- मानक भाषा के लक्षण और विशेषताएँ
- मानक हिंदी की विकासयात्रा

इकाई 3. अनुवाद : स्वरूप और प्राविधि

- अनुवाद अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र
- अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्व
- अनुवाद की प्राविधि
- अनुवाद के भेद
- अनुवादक के गुण
- अनुवाद के क्षेत्र

इकाई 4. कार्यालयी हिंदी

- कार्यालयी हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ
- प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनपरक हिन्दी - प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित - सुलभ प्रकाशन, लखनऊ
2. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
4. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी - डॉ. सुकुमार भंडारे - विकास प्रकाशन, कानपुर

बी. ए. तृतीय वर्ष
षष्ठम् सत्र (semester-VI)
प्रश्नपत्र क्र. - 14
GE - 2
हिन्दी व्यंग्य साहित्य

लिखित परीक्षा - 40 अंक
अंतर्गत मूल्यांकन - 10 अंक
कुल अंक - 50

उद्देश्य -

1. हिन्दी व्यंग्य से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिन्दी व्यंग्य के प्रति छात्रों में पठन पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
3. हिन्दी के व्यंग्य रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कराना।
4. हिन्दी व्यंग्य साहित्य के योगदान को रेखांकित कराना।

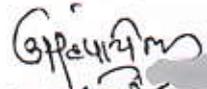
अध्ययन - अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान पद्धति
2. चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति
3. नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग
4. गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी व्यंग्य कलश - संपा - हिन्दी अध्ययन मंडल
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर.


प्रो. अनुराग पाटील
अध्यक्ष, हिन्दी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,
छत्रपति संभाजीनगर.